

## गांवों के बच्चों को भी विज्ञान के प्रयोग करने का मल्लिगा मौका, यूकोस्ट भेजेगा मोबाइल साइंस लैब

### चर्चा में क्यों?

27 जुलाई, 2023 को उत्तराखण्ड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकोस्ट) के महानिदेशक डॉ. दुरगेश पंत ने बताया कि प्रदेश के दुर्गम इलाकों के बच्चे भी अब विज्ञान के प्रयोग सीख सकेंगे। इसके लिये लैब्स ऑन व्हील कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है।

### प्रमुख बडि

- प्रदेश में पहली बार हर ज़िले में यूकोस्ट की मोबाइल वैन जाएगी, जसिमें लैब का पूरा साजो-सामान होगा।
- वदिति है कि प्रदेश में तमाम वदियालय ऐसे हैं, जहाँ लैब्स तो हैं, लेकनि उतनी सुदृढ़ नहीं हैं, जतिनी होनी चाहिये। कई जगहों पर तो बच्चे विज्ञान के प्रयोग भी नहीं कर पाते। खासतौर से आठवीं या 10वीं तक के बच्चे जो कतिाबे पढ़ते हैं, उनका वैज्ञानिकि प्रयोग करने की व्यवस्थाएँ कमतर हैं। इस कमी को दूर करने के लिये ही यूकोस्ट लैब्स ऑन व्हील कार्यक्रम शुरू कर रहा है।
- जानकारी के मुताबकि, हर ज़िले में एक मोबाइल वैन संचालति की जाएगी। इस वैन में वैज्ञानिकि प्रयोगों से जुड़े हुए सभी उपकरण होंगे। एक-एक वशिषज्ज की टीम भी साथ रहेगी। यह टीम दुर्गम क्षेत्रों तक पहुँचकर बच्चों को विज्ञान के प्रयोग सखिवाएगी। विज्ञान के चमतकार बताएगी।
- यूकोस्ट का मानना है कि इससे बच्चों के भीतर वैज्ञानिकि सोच वकिसति होगी। विज्ञान के क्षेत्र में उन्हें आगे बढने की प्रेरणा भी मल्लिगी।
- नेशनल काउंसलि ऑफ साइंस म्यूजियम (एनसीएसएम) की ओर से यूकोस्ट झाझरा के बराबर में ही 25 एकड़ भूमिपर साइंस सर्टि का नरिमाण कथिा जा रहा है। यह अपनी तरह की सबसे अलग सर्टि होगी, जसिमें जीवन के हर पहलू को विज्ञान के माध्यम से समझाया जाएगा। इस तरह की साइंस सर्टि पूरे देश में चुनदि ही है।
- इसके अलावा, अलमोड़ा में सब रीजनल साइंस सेंटर का नरिमाण भी शुरू हो गया है। इसके लिये मुख्यमंत्त्री पुष्कर सहि धामी ने पाँच करोड़ दयि हैं। इसे इसी साल से शुरू करने का प्रयास कथिा जा रहा है।